**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या : 4540**
**गुरुवार, 19 मार्च, 2026/28 फाल्गुन, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर**

## बिहार के लिए उड़ान योजना

**4540. श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवालः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार में उड़ान योजना के अंतर्गत स्थान-वार कितने विमानपत्तन और मार्ग संचालित किए गए हैं;

(ख) क्या सरकार ने उक्त योजना के अंतर्गत बिहार में इसके प्रारंभ से अब तक एयरलाइंस तथा विमानपत्तन संचालकों को कोई वित्तीय सहायता अथवा सब्सिडी प्रदान की है, यदि हाँ, तो वर्ष-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को बिहार में उड़ान उड़ानों के संचालन के संबंध में यात्रियों, राज्य प्राधिकरणों अथवा अन्य हितधारकों से कोई प्रतिक्रिया, शिकायतें अथवा सुझाव प्राप्त हुए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार बिहार में उड़ान कनेक्टिविटी का विस्तार करने का प्रस्ताव रखती है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, जिसमें प्रस्तावित नए मार्गों और विमानपत्तन का विवरण और इस संबंध में अपेक्षित समय-सीमा क्या है?

**उत्तर**
**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) और (ख): क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) -उड़ान के तहत, बिहार राज्य में दरभंगा और पूर्णिया हवाईअड्डों को जोड़ने वाले कुल 21 मार्गों का परिचालन किया गया है।

उड़ान मार्गों पर परिचालन करने वाली एयरलाइनों को क्षेत्रीय मार्गों पर परिचालन हेतु सहयोग करने के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) प्रदान किया जाता है। उड़ान योजना के तहत बिहार को जोड़ने वाले आरसीएस मार्गों के लिए एयरलाइनों को वीजीएफ के रूप में 10.30 करोड़ रुपये की राशि से वितरित की गई है।

(ग) और (घ): मंत्रालय योजना प्रावधानों को परिष्कृत करने, मार्ग व्यवहार्यता में सुधार करने और भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रचालकों के साथ संव्यवहार जारी रखता है और एयरलाइनों, राज्य सरकारों और हवाईअड्डा प्रचालकों से प्राप्त फीडबैक को शामिल करता है।

सरकार ने हाल ही में देश भर में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए संशोधित उड़ान योजना प्रारम्भ करने की घोषणा की है। यह योजना पर्वतीय, आकांक्षी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में हेलीपैड और छोटे हवाईअड्डों को भी सहयोग प्रदान करेगी।

*****